HISTORY

1

नई भवन निर्माण शैली - हम्पी एक साम्राज्यिक राजधानी - विजयनगर (14 वीं 16 वीं शताब्दी)

(New Architecture - Hampi an Imperial Capital - Vijaynagar 14th to 16th century)

◆ सामान्य दृष्टिकोण (Broad Overview)

विजय नगर के महान साम्राज्य ने 14 वीं से 16 वीं शताब्दी के मध्य तक लगभग दो शताब्दियों तक दक्षिण में मुसलमानों के आक्रमणों को रोके रखा। परन्तु 1565 ई० में तालीकोटा के स्थान पर दक्षिण के मुसलमान राज्यों के साथ युद्ध में विजयनगर की बहुत बड़ी पराजय हुई। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने साम्राज्य तथा विजयनगर के सुंदर नगर का सर्वनाश कर दिया। सेवैल लिखता है कि "विश्व के इतिहास में किसी भी समय में एक बड़े और समृद्ध नगर की इतनी भयानक और शीघ्र तबाही कभी नहीं हुई जितनी की विजयनगर की हुई। एक दिन तो इस नगर के लोग परिश्रमी धनी धानी तथा समृद्ध थे परन्तु अगले दिन यह नगर

लुटेरों के हाथों ध्वस्त कर दिया गया, तथा हजारों लोग हताहत हो गए। यह नगरी इतनी भयानक थी जैसे की पहली पहले कभी और कहीं नहीं देखी गई। विजयनगर के कर्नाटक का एक भाग था, इस पर दक्कन के उत्तरवर्ती सुल्तान सुल्तानों ने आक्रमण किए। फिर इसके पश्चात मराठों, फिर हैदर अली और इसके उत्तराधिकारी टीपू की तरफ सुल्तान सुल्तान ने विजयनगर पर अपना अधिकार जमाया था। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों के ईस्ट इंडिया कंपनी ने इन सभी शक्तियों को पराजित करके इनका विनाश कर दिया और इसके पश्चात कंपनी ने विजय नगर को अपनी मद्रास (तमिलनाडु) प्रेसीडेंसी में शामिल कर लिया और इस क्षेत्र में अमन शांति स्थापित की। ऐसा दिखाई देता है की शांति काल के दौरान में विरुपाक्ष (Virupaksha) मंदिर के पूजा-पाठ बिल्कुल बंद कर दिया गया था क्योंकि इस मंदिर के मुख्य ~~मंडी~~ द्वार, गोपुरम (Gopuram) तथा छतों पर अंक चित्रों की मरम्मत और सफाई इसी समय करवाई गई।